



Horário de Salah

Masjide Hamza

Terraços da Ponte - Sacavém

Março 2019

Jamadil Akhir / Rajab 1440

LUA NOVA Mar. 06 às 16.04

Início da hora das Orações

Hora de Jamaat

| Data | Dia da Semana | Data Islâmica | Fajr (Sheri) | Nascer do Sol | Zuhr | Assr | Ocaso | Ishá | Fajr | Zuhr | Assr | Magrib (Iftar) | Ishá |
|------|---------------|-----------------------------|--------------|---------------|-------|-------|-------|-------|------|-------|-------|----------------|-------|
| 1 | SEX | ²⁴ Jamadil Akhir | 05:41 | 07:09 | 12:54 | 16:00 | 18:29 | 19:49 | 6:30 | * | 17:15 | 18:32 | 20:00 |
| 2 | SÁB | 25 " | 05:40 | 07:08 | 12:54 | 16:01 | 18:30 | 19:50 | 6:15 | 14:00 | 17:15 | 18:33 | 20:15 |
| 3 | DOM | 26 " | 05:38 | 07:07 | 12:54 | 16:02 | 18:31 | 19:51 | 6:15 | 14:00 | 17:15 | 18:34 | 20:15 |
| 4 | SEG | 27 " | 05:37 | 07:05 | 12:53 | 16:02 | 18:32 | 19:52 | 6:15 | 14:00 | 17:15 | 18:35 | 20:15 |
| 5 | TER | 28 " | 05:35 | 07:04 | 12:53 | 16:03 | 18:33 | 19:53 | 6:15 | 14:00 | 17:15 | 18:36 | 20:15 |
| 6 | QUA | 29 " | 05:34 | 07:02 | 12:53 | 16:03 | 18:34 | 19:54 | 6:15 | 14:00 | 17:15 | 18:37 | 20:15 |
| 7 | QUI | 30 " | 05:32 | 07:01 | 12:53 | 16:04 | 18:35 | 19:55 | 6:15 | 14:00 | 17:15 | 18:38 | 20:15 |
| 8 | SEX | ** 1 Rajab | 05:31 | 06:59 | 12:52 | 16:05 | 18:36 | 19:56 | 6:15 | * | 17:15 | 18:39 | 20:15 |
| 9 | SÁB | 2 " | 05:29 | 06:58 | 12:52 | 16:05 | 18:37 | 19:57 | 6:15 | 14:00 | 17:30 | 18:40 | 20:15 |
| 10 | DOM | 3 " | 05:28 | 06:56 | 12:52 | 16:06 | 18:38 | 19:58 | 6:15 | 14:00 | 17:30 | 18:41 | 20:15 |
| 11 | SEG | 4 " | 05:26 | 06:55 | 12:52 | 16:06 | 18:39 | 19:59 | 6:15 | 14:00 | 17:30 | 18:42 | 20:15 |
| 12 | TER | 5 " | 05:25 | 06:53 | 12:51 | 16:07 | 18:40 | 20:00 | 6:15 | 14:00 | 17:30 | 18:43 | 20:15 |
| 13 | QUA | 6 " | 05:23 | 06:52 | 12:51 | 16:07 | 18:41 | 20:01 | 6:15 | 14:00 | 17:30 | 18:44 | 20:15 |
| 14 | QUI | 7 " | 05:22 | 06:50 | 12:51 | 16:08 | 18:42 | 20:02 | 6:15 | 14:00 | 17:30 | 18:45 | 20:15 |
| 15 | SEX | 8 " | 05:20 | 06:49 | 12:51 | 16:08 | 18:43 | 20:03 | 6:15 | * | 17:30 | 18:46 | 20:15 |
| 16 | SÁB | 9 " | 05:18 | 06:47 | 12:50 | 16:09 | 18:44 | 20:04 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:47 | 20:20 |
| 17 | DOM | 10 " | 05:17 | 06:45 | 12:50 | 16:09 | 18:45 | 20:05 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:48 | 20:20 |
| 18 | SEG | 11 " | 05:15 | 06:44 | 12:50 | 16:10 | 18:46 | 20:06 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:49 | 20:20 |
| 19 | TER | 12 " | 05:13 | 06:42 | 12:49 | 16:10 | 18:47 | 20:07 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:50 | 20:20 |
| 20 | QUA | 13 " | 05:12 | 06:41 | 12:49 | 16:11 | 18:48 | 20:08 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:51 | 20:20 |
| 21 | QUI | 14 " | 05:10 | 06:39 | 12:49 | 16:11 | 18:49 | 20:09 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:52 | 20:20 |
| 22 | SEX | 15 " | 05:08 | 06:38 | 12:49 | 16:12 | 18:50 | 20:10 | 6:00 | * | 17:30 | 18:53 | 20:20 |
| 23 | SÁB | 16 " | 05:07 | 06:36 | 12:48 | 16:12 | 18:51 | 20:11 | 6:00 | 14:00 | 17:30 | 18:54 | 20:20 |
| 24 | DOM | 17 " | 05:05 | 06:34 | 12:48 | 16:13 | 18:52 | 20:12 | 5:45 | 14:00 | 17:45 | 18:55 | 20:30 |
| 25 | SEG | 18 " | 05:03 | 06:33 | 12:48 | 16:13 | 18:53 | 20:13 | 5:45 | 14:00 | 17:45 | 18:56 | 20:30 |
| 26 | TER | 19 " | 05:02 | 06:31 | 12:47 | 16:13 | 18:54 | 20:14 | 5:45 | 14:00 | 17:45 | 18:57 | 20:30 |
| 27 | QUA | 20 " | 05:00 | 06:30 | 12:47 | 16:14 | 18:55 | 20:15 | 5:45 | 14:00 | 17:45 | 18:58 | 20:30 |
| 28 | QUI | 21 " | 04:58 | 06:28 | 12:47 | 16:14 | 18:56 | 20:16 | 5:45 | 14:00 | 17:45 | 18:59 | 20:30 |
| 29 | SEX | 22 " | 04:56 | 06:27 | 12:46 | 16:14 | 18:57 | 20:17 | 5:45 | * | 17:45 | 19:00 | 20:30 |
| 30 | SÁB | 23 " | 04:55 | 06:25 | 12:46 | 16:14 | 18:58 | 20:18 | 5:45 | 14:00 | 17:45 | 19:01 | 20:30 |
| 31 | DOM | 24 " | 05:53 | 07:24 | 13:46 | 17:15 | 19:59 | 21:19 | 6:45 | 14:00 | 19:00 | 20:02 | 21:40 |

* Nota: *Jumu'ah* → O 1º *Azán* será feito às 13:00, será dado tempo para se fazerem os *Sunnats* e será feito o *Bayan*. O 2º *Azán* será feito às 13:50. A hora de *Jamaat* poderá ser alterada se houver alguma necessidade. *Zawal* é 5 minutos antes do início da hora *Zuhr*. ** Favor de confirmar o início do mês islâmico.

Durante os meses de *Rajab* e *Shaban*, *Rassululláh* (S.A.W.) costumava recitar o seguinte *Duá*:

ALLÁHUMMA BÁRIK LANÁ FÍ RAJABA WA SHA'BÁNA WA BALLIGNÁ RAMADHÁN

Ó *Allah*, abençoe-nos em *Rajab* e *Shaban*, e faça nos chegar a *Ramadhan* (prolonga as nossas vidas até *Ramadhan*, para que possamos beneficiar das suas bênçãos e virtudes).